>

Title : Discussion on the motion for consideration of the Constitution (Amendment) Bill, 2009 (Insertion of New articles 275A and 371J).

MR. CHAIRMAN: Item no. 47 - Prof. Ranjan Prasad Yadav .

प्रो. रंजन प्रसाद यादव (पाटलिपुत्र): धन्यवाद, माननीय उपाध्यक्ष महोदय...(व्यवधान)

सभापति महोदय : मुझे उपाध्यक्ष मत बनाइए, चेयरमैन ही रहने दीजिए।

प्रो. रंजन प्रसाद यादव : सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं :

"कि भारत के संविधान में और संशोधन करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए।"

महोदय, भारतवर्ष में बिहार का स्थान प्रत्येक परिप्रेक्ष्य से बहुत गरिमापूर्ण और महत्वपूर्ण है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारतवर्ष में इसका स्थान 12वां और जनसंख्या की दृष्टि से तीसरा स्थान है। यहां मैं एक तथ्य की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि बिहार की कुल जनसंख्या का लगभग 58 प्रतिशत हिस्सा 25 प्रतिशत से कम उम्र का है। यह तथ्य इसलिए महत्वपूर्ण है कि राज्य भविष्य इन्हीं 58 प्रतिशत लोगों के कन्धों पर है, जो आगे चलकर आर्थिक विकास की जिम्मेदारी संभालेंगे।

महोदय, मुझे सदन को यह याद कराने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए कि बिहार का एक गौरवशाली अतीत और सुनहरा इतिहास रहा है। भारत का इतिहास अगर देखा जाए, तो भारत के स्वर्णिम युग और बिहार के स्वर्णिम युग में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है।

बिहार के तो कण-कण में इतिहास बसा हुआ है। बिहार की भूमि भी ही है, जहां महात्मा गांधी ने उस राजनैतिक हथियार को आजमाया, जिसकी वजह से तत्कालीन भारत में जो ग्रेट ब्रिटेन की हुकूमत थी, मजबूर होकर उन्हें यहां से जाना पड़ा। मुझे गर्व है कि मैं ऐसे गौरवशाली राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं।

एक समय था जब इस प्रदेश का शासन एक मिसाल के रूप में देखा जाता था। लेकिन धीरे-धीरे यह प्रांत अन्य प्रांतों से पिछड़ने लगा। हालांकि यह प्रांत प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर था और उद्योगों के मामले में अग्रणी था। आर्थिक और मानव विकास के इंडैक्स थे, उसमें यह प्रांत पिछड़ता गया। मैं यह कहना चाहता हूं कि 90 के दशके से, इस शताब्दी के शुरूआत तक यह प्रांत रसातल में चला गया। खनिज संसाधनों से परिपूर्ण, उपजाऊ मिट्टी की धनी और मानव संसाधन के मामले में विश्व में अपना डंका बजाने वाला प्रांत विकास की दौड़ में पीछे रह गया। सिर्फ एक आदमी के स्वार्थ और परिवारवाद की वजह से पूरा बिहार राज्य लाए गए आर्थिक सुधारों का फायदा नहीं उठा सका। जब देश के बाकी प्रांत आर्थिक और औद्योगिक विकास के रास्ते पर जा रहे थे, तो बिहार जातिवाद, भ्रष्टाचार और परिवारवाद के दलदल में फंसा हुआ था। आरजेडी के राज का जब से खात्मा हुआ, तो जनता ने राहत की सांस ली है।

महोदय, मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि जब 11 अगस्त, 2000 को बिहार पुनर्गठन विधेयक पर राज्य सभा में चर्चा हो रही थी, बतौर मैं उस समय राज्य सभा का सदस्य था। मैंने केन्द्र सरकार को सावधान किया था कि विभाजन के बाद यदि राज्य को होने वाले नुकसान की उचित भरपाई नहीं की गई तो आपके सामने काफी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

महोदय, विभाजन के परिणामस्वरूप बिहार के जिन 18 जिलों को अलग करके झारखंड राज्य बनाया गया था, वे सारे जिले खनिज सम्पदा से भरपूर थे। आप स्वयं भी उसी प्रांत से आते हैं और आपको जानकारी है कि पलामू, राजमहल, लोहरदग्गा, गोड्डा, सिंहभूम, जमशेदपुर, चतरा, खूंटी, गिरिडीह, धनबाद और हजारीबाग आदि जिलों में देश में सबसे ज्यादा आयरन ओर, कॉपर, लाइमस्टोन, बॉक्साइट, ग्रेफाइट, माइका, दुनिया का बेहतर कोयला और इस साइंस के युग में युरेनियम हो, वह पाया जाता है। न केवल खनिज सम्पदा इन 18 जिलों में थी, बल्कि बड़े उद्योग, टाटा, टिस्को, टैल्को, बोकारो आदि बड़े-बड़े स्टील प्लांट थे। लेकिन यह दुर्भाग्य रहा कि एक व्यक्ति ने सत्ता में बने रहने के लिए बिहार के 54 जिलों का बंटवारा किया और इन 18 जिलों को अलग करके झारखंड राज्य का निर्माण हुआ।

सभापति महोदय, मैं चूंकि ज्योलॉजी का प्रोफेसर भी हूं, उस नाते मैं बताना चाहता हूं कि जिन 38 जिलों का बिहार रह गया, उस नए बिहार में लगभग 20 जिले ऐसे हैं, जो फ्लड-प्रोन एरिया हैं। इन एरिया में नेपाल से महानंदा, कोसी, बागमती बड़ी-बड़ी नदियां आती हैं। ये नदियां प्रति वर्ष इन जिलों में एक फीट से लेकर पांच फीट तक बाढ़ लेकर आती हैं। जिसके कारण हजारों-लाखों मकान ढह जाते हैं। आपने भी देखा होगा कि 2008 में जो बाढ़ आई थी, तो क्या हालत बिहार की हुई थी।

सभापति महोदय : माननीय सदस्य बहुत शुद्ध मन से बोल रहे हैं। आपका भाषण आगे जारी रहेगा।

The House stands adjourned to meet again at 11 a.m. on Monday, the 14th March, 2011.

18.15 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Monday, March 14, 2011/Phalguna 23, 1932 (Saka).

---

* The sign + marked above the name of a Member indicates that the Question was actually asked on the floor of the House by that Member.

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded as ordered by the Chair

** Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded